

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca Foundation

कक्षा - 10

हिंदी (आलोक)

अध्याय – 4

भोलाराम का जीव

[हरिशंकर परसाई (1922-1995)]

भाग – 2
अभ्यासमाला

पल्लवी कलिता

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

बोध एवं विचार —

1. सही विकल्प का चयन करो —

(क) भोलाराम के जीव ने कितने दिन पहले देह त्यागी थी ?

(अ) तीन दिन पहले

(आ) चार दिन पहले

(इ) पाँच दिन पहले

(ई) सात दिन पहले

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ख) नारद भोलाराम का घर पहचान गए —

(अ) माँ-बेटी के सम्मिलित क्रंदन सुनकर

(आ) उसका टूटा-फूटा मकान देखकर

(इ) घर के बगल में नाले को देखकर

(ई) लोगों से घर का पता पूछकर

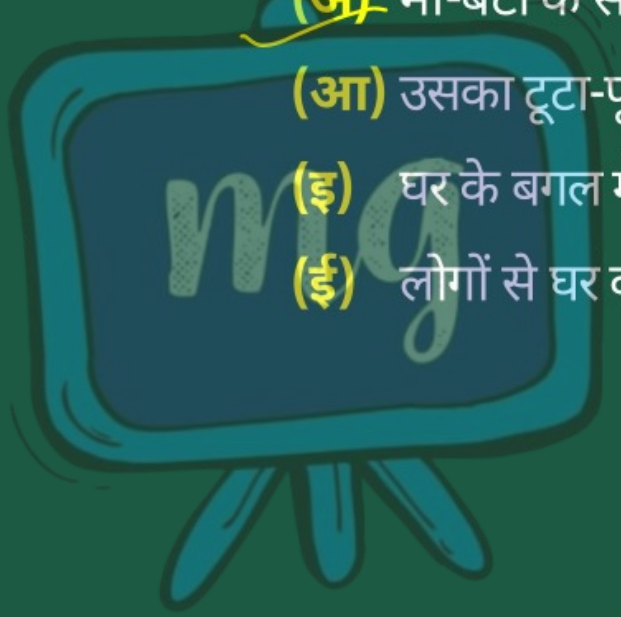

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ग) धर्मराज के अनुसार नर्क में इमारतें बनाकर रहनेवालों में कौन शामिल हैं?

(अ) ठेकेदार

(आ) इंजीनियर

(इ) ओवरसीयर

(ई) उपर्युक्त सभी

(घ) बड़े साहब ने नारद को भोलाराम के दरख्वास्तों पर वजन रखने की सलाह दी। यहाँ 'वजन' का अर्थ है —

(अ) पेपरवेट

(आ) वीणा

(इ) रिश्वत

(ई) मिठाई का डब्बा

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

2. पूर्ण वाक्य में उत्तर दो —

(क) भोलाराम का घर किस शहर में था ?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

2. पूर्ण वाक्य में उत्तर दो —

(क) भोलाराम का घर किस शहर में था ?

उत्तर : भोलाराम का घर जबलपुर शहर में था ।

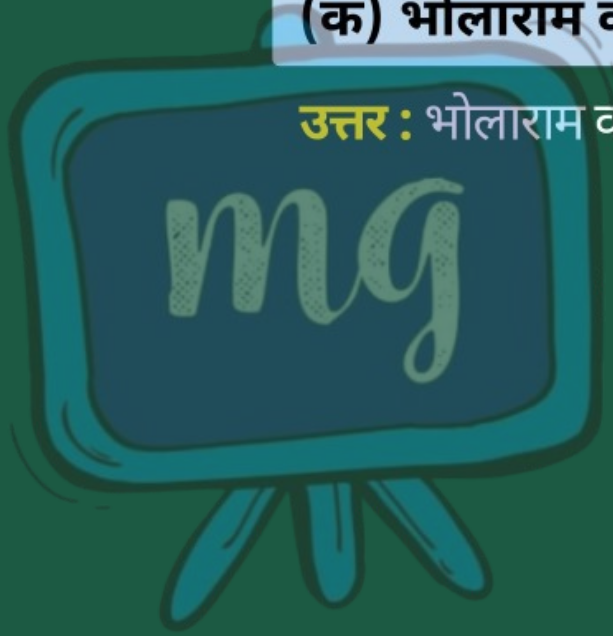

(ख) भोलाराम को सेवानिवृत हुए कितने वर्ष हुए थे?



(ख) भोलाराम को सेवानिवृत हुए कितने वर्ष हुए थे?

उत्तर : भोलाराम को सेवानिवृत्त हुए पाँच वर्ष हुए थे।



(ग) भोलाराम की पत्नी ने भोलाराम को किस बीमारी का शिकार बताया?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ग) भोलाराम की पत्नी ने भोलाराम को किस बीमारी का शिकार बताया?

उत्तर : भोलाराम की पत्नी ने भोलाराम को गरीबी की बीमारी का शिकार बताया।

(घ) भोलाराम ने मकान मालिक को कितने साल से किराया नहीं दिया था?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(घ) भोलाराम ने मकान मालिक को कितने साल से किराया नहीं दिया था?

उत्तर : भोलाराम ने मकान मालिक को एक साल किराया नहीं दिया था।

(ङ) बड़े साहब ने नारद से भोलाराम की पेंशन मंजूर करने के बदले क्या माँगा?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ङ) बड़े साहब ने नारद से भोलाराम की पेंशन मंजूर करने के बदले क्या माँगा?

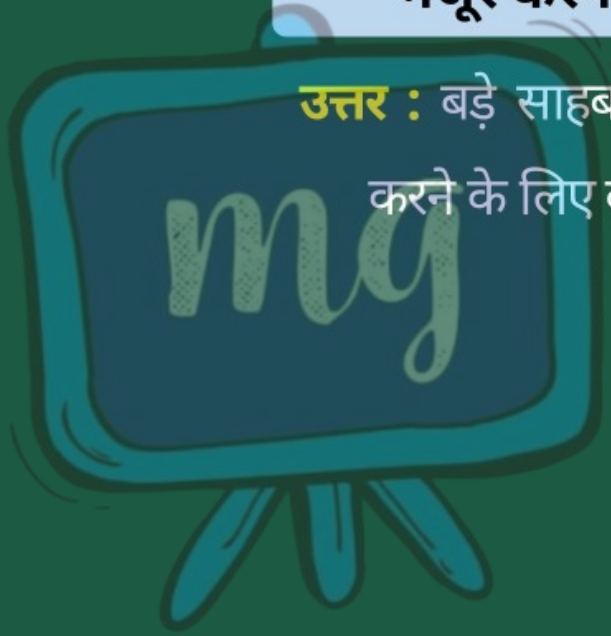

उत्तर : बड़े साहब ने नारद से भोलाराम की पेंशन मंजूर करने के लिए बदले में उनकी वीणा माँगा था।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

3. संक्षेप में उत्तर दो —

(क) 'पर ऐसा कभी नहीं हुआ था।' यहाँ किस घटना का संकेत मिलता है ?

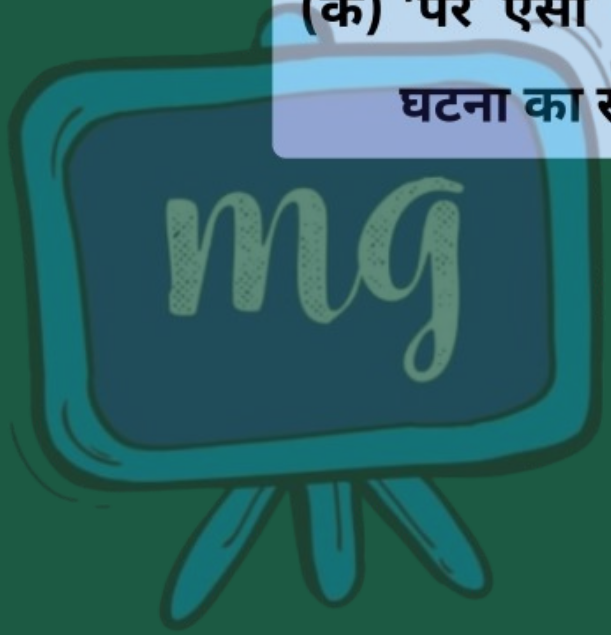

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

3. संक्षेप में उत्तर दो —

(क) 'पर ऐसा कभी नहीं हुआ था।' यहाँ किस घटना का संकेत मिलता है ?

उत्तर : धर्मराज लाखों वर्षों से असंख्य आदमियों को कर्म और सिफारिश के आधार पर स्वर्ग या नर्क में निवास स्थान अलॉट करते आ रहे थे ;परन्तु ऐसा कभी नहीं हुआ कि भोलाराम के जीव ने पाँच दिन पहले देह त्यागी और यमदूत के साथ इस लोक के लिए रवाना होकर भी अब तक यमलोक नहीं पहुँचे।

(ख) यमदूत ने भोलाराम के जीव के लापता होने के बारे में क्या बताया?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ख) यमदूत ने भोलाराम के जीव के लापता होने के बारे में क्या बताया?

उत्तर : यमदूत ने भोलाराम के जीव के लापता होने के बारे में कुछ इस तरह बताया,"दयानिधान! मैं कैसे बतलाऊँ कि क्या हो गया। आज तक मैंने धोखा नहीं खाया था, पर इस बार भोलाराम का जीव मुझे चकमा दे गया। पाँच दिन पहले जब जीव ने भोलाराम की देह त्यागी, तब मैंने उसे पकड़ा और इस लोक की यात्रा आरम्भ की। नगर के बाहर ज्यों ही मैं उसे लेकर एक तीव्र वायु-तरंग पर सवार हुआ, त्यों ही वह मेरे चंगुल से छूटकर न जाने कहाँ गायब हो गया। इन पाँच दिनो में मैंने सारा ब्रह्माण्ड छान डाला, पर उसका कहीं पता नहीं चला ।"

(ग) धर्मराज ने नर्क में किन-किन लोगों के आने की पुष्टि की? उनलोगों ने क्या-क्या अनियमितताएँ की थीं ?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ग) धर्मराज ने नर्क में किन-किन लोगों के आने की पुष्टि की? उनलोगों ने क्या-क्या अनियमितताएँ की थीं ?

उत्तर : धर्मराज ने नर्क में बड़े गुणी कारीगर, ठेकेदार, बड़े-बड़े इंजीनियर और ओवरसीयर के आने की पुष्टि की थी। जिन्होंने पूरे पैसे हड़प कर रद्दी इमारतें बनायी। बड़े-बड़े इंजीनियर हैं, जिन्होंने ठेकेदारों से मिलकर भारत की पंचवर्षीय योजनाओं का पैसा खाया। ओवरसीयर हैं , जिन्होंने मजदुरों की हाजिरी भरकर पैसा हड़पा, जो कभी काम पर गए ही नहीं।

(घ) भोलाराम की पारिवारिक स्थिति पर प्रकाश डालो।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(घ) भोलाराम की पारिवारिक स्थिति पर प्रकाश डालो।

उत्तर : भोलाराम जबलपुर शहर के घमापुर मुहल्ले में नाले के किनारे एक डेढ़ कमरे के टूटे-फूटे मकान में परिवार समेत रहता था। उसकी एक स्त्री, दो लड़के और एक लड़की थी । उम्र लगभग पैंसठ साल, सरकारी नौकर था; पाँच साल पहले रिटायर हो गया था। मकान का किराया उसने एक साल से नहीं दिया था, इसलिए मकान मालिक उसे निकालना चाहता था ।

(ङ) 'भोलाराम ने दरख्वातें तो भेजी थीं, पर उन पर वजन नहीं रखा था, इसलिए कहीं उड़ गई होंगी।'- दफ्तर के बाबू के ऐसा कहने का क्या आशय था।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ङ) 'भोलाराम ने दरख्वातें तो भेजी थीं, पर उन पर वजन नहीं रखा था, इसलिए कहीं उड़ गई होंगी।'- दफ्तर के बाबू के ऐसा कहने का क्या आशय था।

उत्तर : वर्तमान समाज व्यवस्था में फैले भ्रष्टाचार के वशीभूत होकर दफ्तर के बाबू ने ऐसा कहा। यह कहने का मूल आशय ये था कि आजकल रिश्वत के बिना काम नहीं होता और भोलाराम ने दरख्वास्तों के साथ रिश्वत न भेजने के कारण उनके पेंशन की मंजूरी नहीं मिली थी।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(च) चपरासी ने नारद को क्या सलाह दी?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(च) चपरासी ने नारद को क्या सलाह दी?

उत्तर : चपरासी ने नारद को कहा- "महाराज, आप क्यों इस झंझट में पड़ गए। आप अगर साल भर भी यहाँ चक्कर लगाते रहे, तो भी काम नहीं होगा। आप तो सीधे बड़े साहब से मिलिए, उन्हें खुश कर लिया तो अभी काम हो जायेगा।"

(छ) बड़े साहब ने नारद को भोलाराम के पेंशन केस के बारे में क्या बताया?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(छ) बड़े साहब ने नारद को भोलाराम के पेंशन केस के बारे में क्या बताया?

उत्तर : बड़े साहब ने नारद को भोलाराम के पेंशन केस के बारे में कुछ इस तरह बताया, "आप हैं वैरागी, दफ्तरों के रीति-रिवाज नहीं जानते । असल में भोलाराम ने गलती की। भाई, यह भी एक मंदिर है। यहाँ भी दान-पुण्य करना पड़ता है; भेंट चढ़ानी पड़ती हैं । आप भोलाराम के आत्मीय मालूम होते हैं। भोलाराम की दरख्वास्तें उड़ रही है, इन पर वजन रखिए।

(ज) 'भोलाराम का जीव' नामक व्यंग्यात्मक कहानी समाज में फैले भ्रष्टाचार एवं रिश्वतखोरी का पर्दाफाश करता है। कहानी के आधार पर पुष्टि करो।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ज) 'भोलाराम का जीव' नामक व्यंग्यात्मक कहानी समाज में फैले भ्रष्टाचार एवं रिश्वतखोरी का पर्दाफाश करता है। कहानी के आधार पर पुष्टि करो।

उत्तर : 'भोलाराम का जीव' नामक कहानी में हरिशंकर परसाई ने पौराणिक युग के परिप्रेक्ष्य में आधुनिक समाज व्यवस्था में फैले भ्रष्टाचार को मार्मिकता के साथ पेश किया है। आजकल के समाज में रिश्वत के बिना कोई काम नहीं होता, भ्रष्टाचार लग भग हर सरकारी विभाग में व्याप्त है।

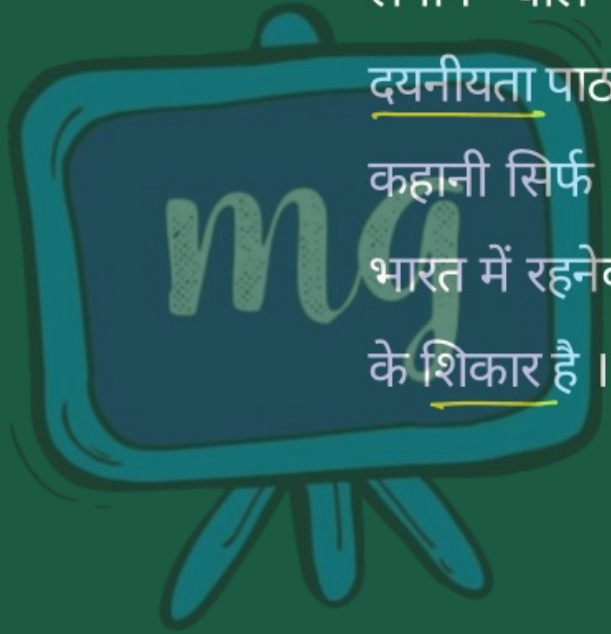

पाँच वर्षों तक पेंशन के लिए कार्यालय का चक्कर लगाने वाले भोलाराम के परिवार की आर्थिक दयनीयता पाठकों को सोचने पर विवश कर देती है। यह कहानी सिर्फ अकेले भोलाराम की ही नहीं है; बल्कि भारत में रहनेवाले सभी आम जनता इस फैले हुए रोग के शिकार है ।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

4. आशय स्पष्ट करो —

(क) दरख्वास्तें पेपरवेट से नहीं दबतीं।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

4. आशय स्पष्ट करो —

(क) दरख्वास्तें पेपरवेट से नहीं दबतीं।

उत्तर : आधुनिक समाज व्यवस्था में फैले भ्रष्टाचार के वशीभूत होकर सरकारी अफसर ने ऐसा कहा । यह कहने का मूल आशय यही था कि रिश्वत के बिना कोई काम हासिल नहीं होता है और भोलाराम ने पेंशन मंजूरी करने के लिए दरख्वास्ते तो बहुत भेजी ; परन्तु उसके साथ रिश्वत (वजन) नहीं दिया।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

4. आशय स्पष्ट करो —

(ख) यह भी एक मंदिर है। यहाँ भी दान-पुण्य करना पड़ता है।



4. आशय स्पष्ट करो —

(ख) यह भी एक मंदिर है। यहाँ भी दान-पुण्य करना पड़ता है।

उत्तर : जैसे मंदिर में हम फूल-फल, पूजा आदि करके भगवान को प्रसन्न करते हैं, ठीक उसी प्रकार सरकारी अफसर के कहने का आशय यहीं बनता है कि काम हासिल करने के लिए रिश्वत देना पड़ता है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भाषा एवं व्याकरण-ज्ञान

1. पाठ में आए निम्नांकित पदों पर ध्यान दो —

- पाप-पुण्य, दान-दक्षिणा, गाना-बजाना, रीति-रिवाज, नाम-पता आदि। प्रत्येक में दो पद हैं और दोनों के बीच योजक (-) चिह्नों का प्रयोग हुआ है।
- ये पद द्वंद्व समास के उदाहरण हैं।
- इस प्रकार द्वंद्व समास के दोनों पद प्रधान होते हैं।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

- इसके तीन भेद हैं —

(1) इतरेतर द्वंद्व

(2) समाहार द्वंद्व और

(3) वैकल्पिक द्वंद्व ।

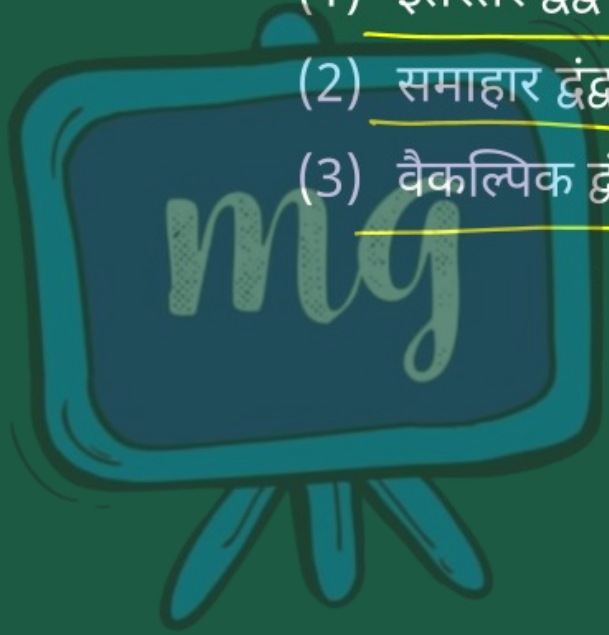

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(क) इतरेतर द्वंद्व समास में सभी पद 'और' से जुड़े होते हैं।

जैसे—

भाई-बहन (भाई और बहन)।

राम कृष्ण (राम और कृष्ण)।

इस प्रकार के समास का प्रयोग हमेशा बहुवचन में होता है।

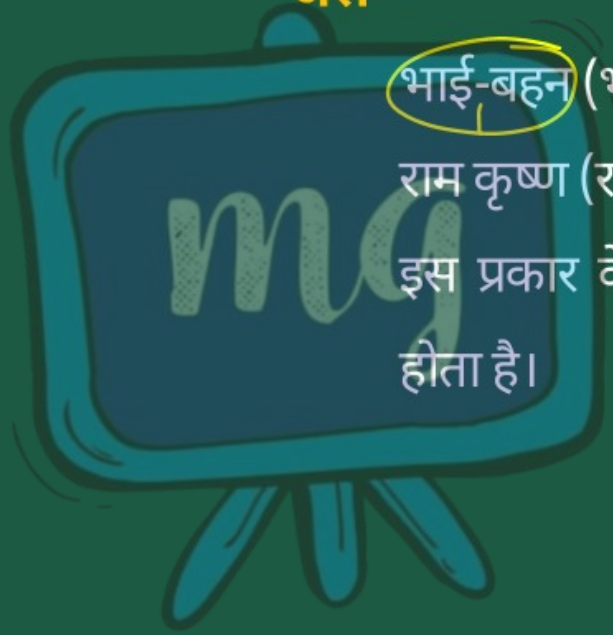

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ख) समाहार द्वंद्व समास के दोनों पद 'समुच्चयबोधक' से जुड़े होने पर भी अलग-अलग समूह का अस्तित्व न रखकर समूह का बोध कराते हैं।

जैसे—

दाल-रोटी (दाल और रोटी) अर्थात् भोजन के सभी पदार्थ, हाथ-पाँव (हाथ और पाँव) अर्थात् हाथ और पाँव सहित शरीर के दूसरे अंग भी।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ग) जिस समास में दो पदों के बीच 'या', 'अथवा' आदि विकल्प छिपे होते हैं, उसे वैकल्पिक द्वंद्व समास कहते हैं। इस समास में अक्सर विपरीत अर्थ वाले शब्द जुड़े होते हैं।

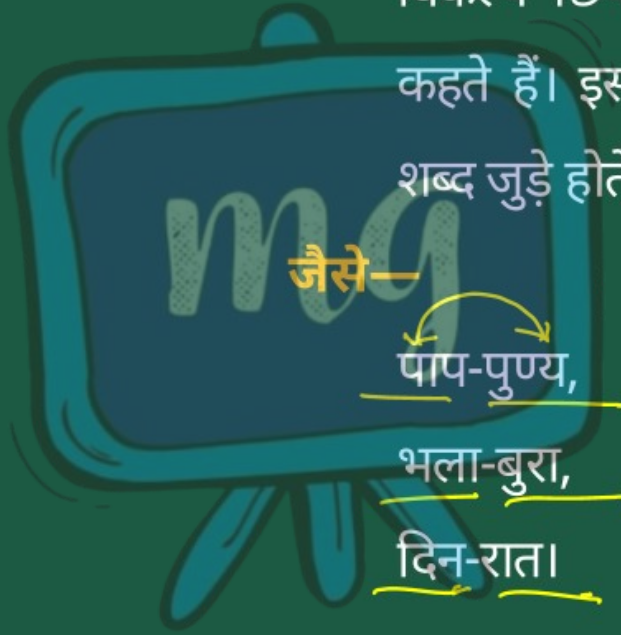

जैसे—

पाप-पुण्य,

भला-बुरा,

दिन-रात।

नीचे दिए गए द्वंद्व समासों के भेद लिखकर उन्हें वाक्यों में प्रयोग करो :



खाना-पीना —

माँ-बाप —

घर-द्वार —

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

नीचे दिए गए द्वंद्व समासों के भेद लिखकर उन्हें वाक्यों में प्रयोग करो :

खाना-पीना — (खाना और पीना) - समाहार द्वंद्व समास,

हमें समय पर खाना-पीना करना चाहिये।

माँ-बाप —(माँ और बाप) - इतरेतर द्वंद्व समास, उदय

अपनी माँ-बाप का एकमात्र संतान है।

घर-द्वार — (घर और द्वार) - समाहार द्वंद्व समास, प्रदीप

का घरद्वार बहुत सुंदर है ।

रुपया-पैसा —



भात-दाल —

सीता-राम

रुपया-पैसा — (रुपया और पैसा) - इतरेतर द्वंद्व समास,

इस जमाने में रुपया-पैसा बहुत अहमियत रखता है।

भात-दाल —(भात और दाल) - समाहार द्वंद्व समास, इस

होटल में भात-दाल नहीं मिलता है।

सीता-राम — (सीता और राम) - इतरेतर द्वंद समास,

सीता-राम पति-पत्नी थे।

नाक-कान—



थोड़ा-बहुत—

ठंडा-गरम —

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

नाक-कान —(नाक और कान) समाहार द्वंद्व समास,

नाक-कान हमारी इंद्रियाँ हैं।

थोड़ा-बहुत — (थोड़ा अथवा बहुत) वैकल्पिक द्वंद्व समास, उसके पास थोड़ा-बहुत धन अभी भी है।

ठंडा-गरम —(ठंडा या गरम) वैकल्पिक द्वंद्व समास, आप ठंडा-गरम क्या लेंगे ?

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

उत्थान-पतन—



आकाश-पाताल—

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

उत्थान-पतन —(उत्थान या पतन) वैकल्पिक द्वंद्व समास,

पेट्रोल की कीमत में उत्थान-पतन हो रहा है।

आकाश-पाताल — (आकाश या पाताल) वैकल्पिक द्वंद्व समास अजय और विजय में आकाश-पाताल का फर्क है।

2. दिए गए वाक्य को ध्यान से पढ़ो —

- 'क्या बताऊँ? भोलाराम को गरीबी की बीमारी थी।'

इस वाक्य में 'गरीबी' और 'बीमारी' शब्द भाववाचक संज्ञाएँ हैं, जो क्रमशः 'गरीब' और 'बीमार' विशेषण शब्दों से बने हैं।

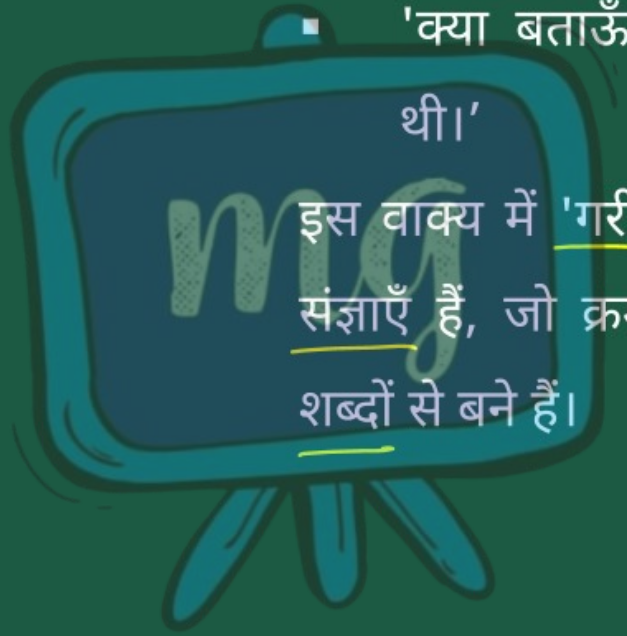

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

- भाववाचक संज्ञाएँ किसी व्यक्ति ,वस्तु अथवा स्थान के गुण, धर्म, दशा अथवा स्वभाव का बोध कराती हैं।
- ये क्रमशः जातिवाचक संज्ञा से, विशेषण से, क्रिया से, सर्वनाम से तथा अव्यय से बनती हैं।

जैसे —

लड़का	लड़कपन (जातिवाचक संज्ञा से)
गर्म	गर्मी (विशेषण से)
लिखना	लिखावट (क्रिया से)
अपना	अपनापन (सर्वनाम से)
समीप	सामीप्य (अव्यय से)

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

निम्नलिखित शब्दों के भाववाचक संज्ञा बनाओ—



गरीब —

असमर्थ —

खराब —

त्यागी —

तलाश —

बहुत —

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

निम्नलिखित शब्दों के भाववाचक संज्ञा बनाओ—

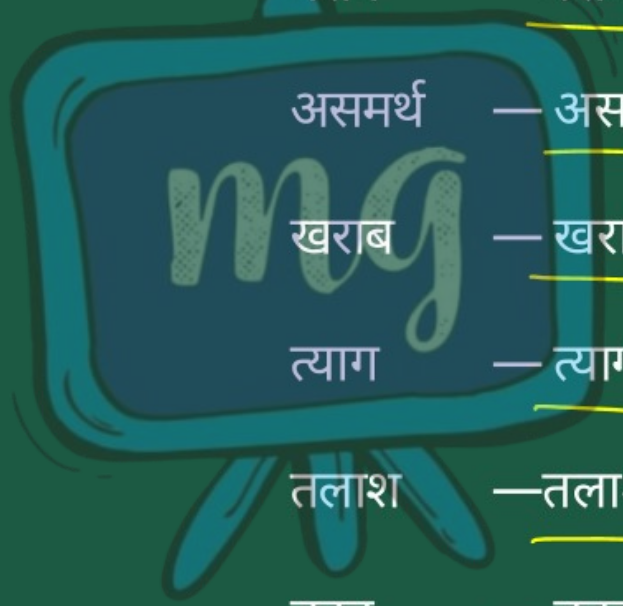

गरीब —गरीबी

असमर्थ — असमर्थता

खराब — खराबी

त्याग — त्यागी

तलाश —तलाशी

बहुत — बहुतायत

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

गृहस्थ —

कारीगर —



अभ्यास —

मूर्ख —

परेशान —

नेता —

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

गृहस्थ — गृहस्थी

कारीगर — कारीगरी

अभ्यास — अभ्यस्त

मूर्ख — मूर्खता

परेशान — परेशानी

नेता — नेतृत्व

चिल्लाना —

वास्तविक —

बीमार —

ऊँचा —



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

चिल्लाना — चिल्लाहट

वास्तविक —वास्तविकता

बीमार — बीमारी

ऊँचा — ऊँचाई



सरकारी सेवाओं के मामले में रिश्वत लेना और देना कानूनन अपराध है। उपभोक्ता एवं सूचना अधिकारों के द्वारा आरोपी कर्मचारी और अधिकारी को सरकारी कानून के तहत दंडित किए जाने का प्रावधान है। इस विषय में हमें जागरुक होने की आवश्यकता है।